स्वदेश दर्शन योजना: ट्राइबल टूरज़िम सर्कटि पहला फेज पूर्ण

चर्चा में क्यों?

25 अप्रैल, 2022 को पर्यटन वभिाग के अधकिारयिों ने बताया कि 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत राज्य के वनांचल क्षेत्र में 'ट्राइबल टूरज़िम सर्कटि' बनाने के प्रथम फेज का कार्य पूर्ण कर लयिा गया है। इसकी लागत 94 करोड़ 23 लाख रुपए है।

प्रमुख बदिु

- योजना के तहत जशपुर-कुनकुरी-कमलेश्वरपुर-मैनपाट-महेशपुर-कुरदर-सरोधा दादर-गंगरेल-नथयिानवागाँव-कोण्डागाँव- जगदलपुर-चत्रिकोट-तीरथगढ़ को 'ट्राइबल टूरज़िम सर्कटि' बनाने के प्रथम फेस का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत ट्राइबल टूरज़िम सर्कटि के लयि चहि्नांकति जशपुर को एथनकि पर्यटन ग्राम के रूप में वकिसति कयिा गया है। वहीं कुनकुरी में मार्ग सुवधिा केंद्र, कमलेश्वपुर में इको एथनकि डेस्टीनेशन, मैनपाट में इको एथनकि डेस्टीनेशन-पर्यटन सुवधिाएँ, महेशपुर में मार्ग सुवधिा केंद्र तथा कुरदर में इको टूरस्टि डेस्टीनेशन के रूप में वकिसति कयिा गया है।
- इसी प्रकार सरोधा दादर में एथनकि पर्यटन ग्राम, गंगरेल में ईको एथनकि टूरस्टि डेस्टीनेशन, नथयिानवागाँव में मार्ग सुवधिा केंद्र, कोंडागाँव में एथनकि पर्यटक ग्राम, जगदलपुर में एथनकि टूरस्टि डेस्टीनेशन (लामनी पार्क-कैफैटेरयिा पार्कगि), चत्रिकोट में ईको एथनकि टूरस्टि डेस्टीनेशन और तीरथगढ़ में ईको एथनकि टूरस्टि डेस्टीनेशन (नेचर ट्रेल, सीढ़ियाँ रेलगि) के रूप में वकिसति कयिा गया है।
- स्वदेश दर्शन योजना फेस-2 के अंतर्गत इको टूरज़िम सर्कटि की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इस सर्कटि में चलि्फी घाटी, अचानकमार-अमरकंटक घाटी एवं हसदेव बांगों डैम के सीमावर्ती क्षेत्र को शामलि कयिा गया है। प्रस्तावति योजना की लागत 81 करोड़ 26 लाख रुपए है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swadesh-darshan-scheme-tribal-tourism-circuit-first-phase-completed